भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1488
उत्तर देने की तारीख 09.02.2026

असमिया कलाकारों को प्रोत्साहन

1488. मोहम्मद रकीबुल हुसैन :

क्या संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का असम की लोक कलाओं, शास्त्रीय नृत्य रूपों और पारंपरिक संगीत को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रोत्साहित करने के लिए कोई विशेष योजना शुरू करने का विचार है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) मौजूदा योजनाओं के अंतर्गत असम से शामिल किए गए लाभार्थियों की संख्या का ब्यौरा क्या है; और

(घ) सरकार द्वारा राष्ट्रीय मंचों पर असमिया कलाकारों का प्रतिनिधित्व बढ़ाने के लिए उठाए गए/उठाए जा रहे कदमों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री
(गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ग): असम राज्य सहित पूर्वोत्तर राज्यों के पारंपरिक लोक संगीत सहित लोक कला के विभिन्न रूपों की संरक्षा, संवर्धन और परिरक्षण के लिए भारत सरकार ने दीमापुर (नागालैंड) में उत्तर पूर्व क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र (एनईजेडसीसी) की स्थापना की है। असम, पूर्वी क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र (ईजेडसीसी), कोलकाता का भी सदस्य राज्य है। ये जेडसीसी असम राज्य सहित अपने सदस्य राज्यों में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यकलापों एवं कार्यक्रमों का नियमित आधार पर आयोजन करते हैं जिसके लिए उन्हें वार्षिक सहायता अनुदान प्रदान किया जाता है।

संस्कृति मंत्रालय अपने क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्रों के माध्यम से देश में राष्ट्रीय स्तर पर राष्ट्रीय संस्कृति महोत्सव (आरएसएम) आयोजित करता है, जिसमें असम राज्य सहित पूरे

भारत से बड़ी संख्या में लोक/जनजातीय कलाकारों को इस आयोजन के दौरान अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने के लिए मंच प्रदान किया जाता है। अब तक, संस्कृति मंत्रालय द्वारा देश भर में 14 राष्ट्रीय सांस्कृतिक महोत्सव और 04 क्षेत्रीय स्तर के राष्ट्रीय सांस्कृतिक महोत्सव आयोजित किए गए हैं।

संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा "विभिन्न सांस्कृतिक क्षेत्रों में युवा कलाकारों को छात्रवृत्तियां" नामक स्कीम संचालित की जाती है जिसमें 18 से 25 वर्ष के आयु वर्ग के उत्कृष्ट युवा कलाकारों को भारतीय शास्त्रीय संगीत एवं नृत्य, रंगमंच, मूक अभिनय, दृश्य कला, लोक, पारंपरिक और स्वदेशी कलाओं तथा सुगम शास्त्रीय संगीत आदि के क्षेत्र में भारत में उन्नत प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए 2 वर्ष की अवधि के लिए 5000/- रुपए प्रति माह की दर से वित्तीय सहायता (एक बैच वर्ष में 400 तक छात्रवृत्तियां) प्रदान की जाती हैं। यह छात्रवृत्ति चार बराबर छमाही किस्तों में जारी की जाती है। इस स्कीम से लाभान्वित असम राज्य के लाभार्थियों की संख्या वर्ष 2022-23 के दौरान 28, 2023-24 के दौरान 89 और 2024-25 के दौरान 58 है।

इसके अतिरिक्त, संस्कृति मंत्रालय द्वारा गुरु-शिष्य परम्परा (रेपर्टरी अनुदान) स्कीम संचालित की जाती है, जिसके अंतर्गत मंच कला की सभी शैलियों जैसे संगीत समूहों, नृत्य समूहों, बाल रंगमंच सहित रंगमंच समूहों, संगीत मंडलियों आदि के लोक कलाकारों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। इस स्कीम के तहत गुरु (समूह का लीडर) के लिए सहायता राशि 15,000/- रुपए प्रति माह और कलाकार की आयु के आधार पर शिष्य के लिए 2,000-10,000/- रुपए प्रतिमाह है। इस स्कीम के अंतर्गत असम राज्य में वर्ष 2022-23 के दौरान 37, 2023-24 के दौरान 54 और 2024-25 के दौरान 23 संगठन लाभान्वित हुए हैं।

असम सहित देश के पारंपरिक मेलों और उत्सवों को प्रोत्साहित करने के लिए, संस्कृति मंत्रालय द्वारा 'सांस्कृतिक समारोह और निर्माण अनुदान स्कीम (सीएफपीजी)' संचालित की जाती है जिसके अंतर्गत संगोष्ठियों, सम्मेलनों, अनुसंधान, कार्यशालाओं, उत्सवों, प्रदर्शनियों, विचारगोष्ठियों के आयोजन, नृत्य, नाटक-रंगमंच, संगीत आदि के सृजन के लिए संगठनों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। इस स्कीम के अंतर्गत असम राज्य में वर्ष 2022-23 के दौरान 48, 2023-24 के दौरान 68 और 2024-25 के दौरान 24 संगठन लाभान्वित हुए हैं।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, ईजेडसीसी, कोलकाता ने सितंबर-अक्टूबर, 2025 के दौरान ओसाका, जापान में आयोजित वर्ल्ड एक्सपो-2025 में असम के सत्रिया और बिहू कलाकारों को शामिल किया।

संस्कृति मंत्रालय द्वारा भारत की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को बढ़ावा देने और वैश्विक स्तर पर सतत रूप से भारत की छवि को संवर्धित करने के लिए "वैश्विक भागीदारी स्कीम" नामक स्कीम कार्यान्वित की जाती है। इस स्कीम का उद्देश्य भारतीय कला रूपों में अभ्यासरत कलाकारों को 'भारत महोत्सव' के बैनर के तहत विदेशों में प्रस्तुति देने का अवसर प्रदान करना है। इस स्कीम के तहत, लोक संगीत, लोक नृत्य, लोक रंगमंच और कठपुतली कला, शास्त्रीय और पारंपरिक नृत्य, प्रायोगिक/समकालीन नृत्य, शास्त्रीय/अर्धशास्त्रीय संगीत, रंगमंच आदि जैसे विविध सांस्कृतिक क्षेत्रों के कलाकार विदेशों में 'भारत महोत्सव' में प्रस्तुतीकरण देते हैं। संस्कृति मंत्रालय ने विदेश में आयोजित भारत महोत्सवों में प्रस्तुति देने के लिए विभिन्न कला रूपों के तहत 627 कलाकारों/समूहों को पैनलबद्ध किया है जिनमें से 17 कलाकार/समूह असम से हैं। अब तक, असम के 4 कलाकारों/समूहों यथा फ्रांस में 02 कलाकार/समूह (2023-24), कतर में 01 कलाकार/समूह (2018-19) और श्रीलंका में आयोजित 'फ्रीडम 70' कार्यक्रमों में 01 कलाकार/समूह (2017-18) को भारत महोत्सव में प्रस्तुतीकरण हेतु शामिल किया है।

(घ): असम राज्य के कलाकारों को संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन सभी सात क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्रों (जेडसीसी) द्वारा राष्ट्रीय मंचों पर आयोजित प्रमुख सांस्कृतिक महोत्सवों और कार्यक्रमों में नियमित रूप से शामिल किया जाता है और उन्हें उचित प्रतिनिधित्व दिया जाता है। असम के लोक और पारंपरिक कलाकार अंतर-राज्यीय और राष्ट्रीय स्तर के उत्सवों में सहभागिता करते हैं, ताकि राज्य की अनूठी सांस्कृतिक परंपराओं को व्यापक पहचान मिल सके और सांस्कृतिक आदान-प्रदान एवं राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा दिया जा सके। इस तरह की भागीदारी असमिया कलाकारों को प्रस्तुति देने के अवसर और वित्तीय सहायता प्रदान करती है, जिससे वे देश भर के विविध दर्शकों के बीच असम की समृद्ध लोक और जनजातीय विरासत को कायम रखने और लोकप्रिय बनाने में सक्षम होते हैं।

*****